तेरे दर पर मेरे माधव | By Mayur Gupta

तेरे दर पे मेरे माधव
ये शीश झुकाया है
बाबा हार के आया हूँ मैं
दर दर का सताया हूँ

चौखट पे गया सबकी
हर मंदिर में भटका हूँ
आखिर तेरे तोरण पर
अपना सर रखता हूँ
सुनता हूँ तेरी रेहमत
दिन रात बरसती है
बाबा हार के आया हूँ मैं
दर दर का सताया हूँ
तेरे दर पे मेरे माधव
ये शीश झुकाया है

जिनसे भी उम्मीदें थी
उन सबने रुलाया है
रो रो कर गम पूछे
हंस हंस कर उड़ाया है
विश्वास तुझी पर है
नैया पार लगानी है
बाबा हार के आया हूँ मैं
दर दर का सताया हूँ
तेरे दर पे मेरे माधव
ये शीश झुकाया है

अब आस तुम्ही से है
ऐतबार तुम्ही पे है
मयूर का सेठ है तू
अरदास तुम्ही से है
अश्क़ों के सागर को
हरी आकर संभालोगे
बाबा हार के आया हूँ मैं
दर दर का सताया हूँ
तेरे दर पे मेरे माधव.....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a4%b0-%e0%a4%ae%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%a7%e0%a4%b5-by-mayur-gupta/